दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर, रविवार, 12 जनवरी 2019

ग्वालियर वर्षः 03 अंकः 12

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

मोदी सरकार-2 का पहला पूर्ण बजट, इनकम टैक्स में राहत संभव

नई दिल्ली। मोदी सरकार-दो के पहले पूर्ण बजट में ढांचागत मजबूती पर जोर रहने के आसार हैं। इसमें सरकार की दीर्घकालिक योजनाओं के ज्यादा प्रावधान होंगे, लेकिन आयकर व किराये की आवासीय परियोजनाओं में राहत मिल सकती है। बजट को अंतिम रूप देने से पहले सरकार और भाजपा ने सभी वर्गों से विस्तृत संवाद किया है, ताकि उसे समावेशी स्वरूप दिया जा सके।

सूत्रों के अनुसार सरकार इस बजट से वैश्विक चुनौतियों के मद्देनजर देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत बनाने पर बल देगी। चूंकि सरकार के पास चार साल से ज्यादा का समय है, इसलिए वह लोक लुभावन घोषणाओं से बचेगी और कुछ मोर्चों पर बड़े व कड़े फैसले भी लेगी। हालांकि, इसमें गरीब व मध्यम वर्ग को साधा जाएगा। खासकर वेतनभोगी वर्ग को, जिसकी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। आयकर में इस बार कुछ राहत मिलने की संभावना है। पिछले बजट में सरकार ने कॉरपोरेट कर में राहत दी थी। माना जा रहा है कि अब आम आदमी का नंबर है और उसे साधा जाएगा।

सरकार के लिए 2022 का एजेंडा महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में आजादी के 75 साल पूरे होने पर सरकार के लिए 75 सूत्री एजेंडा तैयार किया था। सरकार इस बजट से उसे आगे बढ़ाने का काम करेगी। इसमें एक बड़ा मिशन सबको आवास मुहैया कराने का है। इसका लक्ष्य 2022 का है, लेकिन इसे उसके पहले ही पूरा किया जाना है। सूत्रों के मुताबिक अपना घर देने के साथ किराये की विभिन्न आवासीय योजनाओं को भी सरकार बढ़ावा देगी, ताकि आवासीय समस्या को हल किया जा सके। नौकरीपेशा वर्ग जिसका लगातार स्थानांतरण होता रहता है, उसके लिए ऐसे आवास बेहद अहम होंगे। इससे लोगों के कई शहरों में अपना मकान रखने की प्रवृत्ति कम होगी।

पार्टी से मिले सुझाव अहम

बजट पर विभिन्न वर्गों से संवाद में सरकार को जो प्रतिक्रिया व सुझाव मिले हैं, उनमें पार्टी से मिले सुझाव भी बेहद अहम हैं। पार्टी गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने के साथ मध्यम वर्ग के लिए ज्यादा सहूलियतें चाहती है। उसका मानना है कि गैर-सरकारी वेतनभोगी वर्ग और छोटे व्यापारियों को मजबूत करने की जरूरत है। ऐसे में वेतनभोगी वर्ग को आयकर व व्यापारी वर्ग को जीएसटी आदि में राहत मिल सकती है।

न्यूज ट्रैक

गुरुग्राम में दिल्ली की महिला को मेट्रो स्टेशन से अगवा कर किया गैंगरेप

गुरुग्राम। अपहरण कर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दो युवकों ने महिला को सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के नीचे से ऑटो में अपहरण कर लिया। वजीराबाद में अपने दोस्त के कमरे पर महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। फोन से महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को तीनों आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद भोंडसी जेल भेज दिया गया।दिल्ली की रहने वाली 35 वर्षीय महिला ने थाना सेक्टर-53 पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि गुरुवार की रात करीब नौ बजे वह गुरुग्राम में घूमने आई थी। सिकंदरपुर मेट्रो स्टेशन के नीचे खड़े होकर ऑटो का इंतजार कर रही थी। दो युवक उसके पास ऑटो लेकर आए। एक ने अपना नाम प्रदीप बताया। दोनों ने ऑटो में बैठा लिया। वजीराबाद में दोस्त श्याम सुंदर के कमरे पर लेकर गए। आरोप है कि कमरे में महिला से दोनों ने दुष्कर्म किया। श्याम सुंदर भी वहीं मौजूद था। किसी बात को लेकर तीनों में झगड़ा हो गया।

पुलिस को दी सूचना–झगड़े के दौरान महिला ने मौका पाकर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दिया। महिला की सूचना पर रात में ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने वहां से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तीनों को थाने ले आई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

आयुष्मान योजना के 38 हजार परिवार गुम

लखनऊ । प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के 38 हजार पात्र परिवार गुम हैं। इन पात्रों के नाम 2011 की जनगणना सूची में भी हैं। अब गुम पात्र परिवारीजनों की दोबारा खोजबीन शुरू होगी। इधर, गोल्डन कार्ड जारी होने के बाद संदेह के घेरे में आए 19 परिवारीजनों की जांच शुरू हो गई। चिनहट के दो परिवार की पहचान हुई है जिनमें 25 व 22 सदस्य हैं। 38 हजार 136 परिवार की होगी खोजबीन ॰ लखनऊ में दो लाख 83 हजार 560 परिवार आयुष्यमान योजना के पात्र हैं। केंद्र सरकार से इन पात्र परिवारीजनों की सूची स्टेट एजेंसी फॉर कंफ्रेहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस को उपलब्ध कराई गई है। शुक्रवार को सीएमओ कार्यालय में नौ हजार 534 पेज की पात्रों की सूची नौ सीएचसी कर्मचारियों को उपलब्ध कराई गई। प्रत्येक पेज पर चार परिवार के मुखिया का नाम, मोबाइल नम्बर और पते दर्ज हैं। कर्मचारियों को 38 हजार 136 परिवार की तलाश होनी है। पंजीकृत परिवार एक साल में पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज हासिल कर सकते हैं।

‘हां मैंने नशे में रेप किया और संदीप ने वीडियो बनाया’

पटना। ‘हां मैंने नशे में रेप किया और संदीप ने वीडियो बनाया है। हमलोगों ने गलत किया। छात्रा का अपहरण करने के वक्त मेरे साथ कुश, विकास और संदीप थे। घटना के पहले मैंने नशे वाली दवाएं ली थीं।’ 24 घंटे की रिमांड पर आये विनायक सिंह ने पुलिस के सामने अपना गुनाह कबूल कर लिया। विनायक के साथ संदीप भी पुलिस रिमांड पर है। सूत्रों के मुताबिक महिला थानाध्यक्ष आरती जायसवाल एक-एक कर दोनों आरोपितों से सवाल दाग रही थीं। शुरुआती दौर में संदीप ने पुलिस के जवाब से कन्नी काटने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने दोनों आरोपितों को सच्चाई कबूल करने पर मजबूर कर दिया। दोपहर के वक्त पुलिस टीम दोनों आरोपितों को बेऊर जेल से रिमांड पर लेकर आयी थी। इसके बाद घंटों संदीप और विनायक से पूछताछ की गयी।

पहले से था गैंग रेप का प्लान–कुश के कुर्जी मोड़ स्थित रूम पर छात्रा को लेकर गैंग रेप करने की साजिश विनायक ने घटना के तीन दिन पहले ही रच डाली थी। संदीप से उसने पूरी बात बतायी थी, जिस पर उसने हामी भरी।

रातभर कमरे में रखते लेकिन मकान मालिक आ गये–दरिंदों का प्लान बेहद खतरनाक था। वे रातभर छात्रा को कमरे में रखना चाहते थे। लेकिन ऐन मौके पर किराया लेने मकान मालिक पहुंच गये। आरोपितों के मुताबिक उन्होंने लड़की को देखकर आपत्ति जतायी। पुलिस को सारी बात बताने की धमकी दी। इसके बाद आरोपितों ने आनन-फानन में छात्रा को वहां से हटा दिया।

पुलिस के सामने संदीप को मारने उठा विनायक–सूत्रों के मुताबिक पूछताछ के दौरान एक ऐसा वक्त आया जब विनायक अपने साथी संदीप को मारने के लिए उठ गया। संदीप सारा ठीकरा विनायक पर फोड़ रहा था, जिससे वह नाराज था। हालांकि पुलिसवालों ने बीच-बचाव किया और दोनों को चुपचाप सवाल का जवाब देने को कहा।

कन्नौज बस हादसा:

घटना के वक्त पानी पी रहा था शख्स, शीशा तोड़ बचाई जान

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में एक भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में डबल डेकर स्लीपर बस और ट्रक में जबरदस्त टक्कर के बाद बस आग का गोला बन गई थी। हादसे में कई लोगों की मौत होने की भी संभावना है। हादसे में किसी तरह अपनी जान बचाने में कामयाब रहे लोगों का इलाज चल रहा है। उन्होंने कल की इस घटना की दर्दनाक कहानी सुनाई है। फर्रुखाबाद से जयपुर जा रही इस बस में तालग्राम निवासी एक युवक भी सवार था। उसने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि हादसे के वक्त मैं पानी पी रहा था। उसी वक्त धमाके की आवाज आई। इसके बाद मैंने बस का शीशा तोड़ अपनी जान बचा पाया।

युवक ने बताया कि उसने कई बार शीशे पर लात मारी, तब जाकर शीशा टूटा और अपनी जान बचा सका। तालग्राम थाना क्षेत्र निवासी यामीन पुत्र मोहम्मद मुस्ताक जयपुर में एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। शुक्रवार की देर रात वह जयपुर वापस जा रहा था। यामीन के अनुसार रात्रि करीब 8 बजे प्यास लगने पर पानी पी रहा था। उसी समय अचानक से धमाके की आवाज सुनकर वह डर गया। उसने बताया कि कुछ ही मिनटों में उसकी बस आग का गोला बन गई। उसने अपने बचाव के लिए खिड़की के शीशे पर कई बार प्रहार किया जिससे शीशा टूट गया। उसने वहां से कूदकर अपनी जान बचाई। हादसा होने पर एक दर्जन लोग ही अपनी जान बचा सके थे। वह किसी प्रकार अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकला।

गौरव चंदेल मर्डर केसः लापहवाही में एसएचओ और 3 सब इंस्पेक्टर सस्पेंड

ग्रेटर नोएडा। गौरव चंदेल हत्याकांड में लापरवाही बरतने और समय पर कार्रवाई न करने के दोषी पाए जाने पर बिसरख थाना प्रभारी और ग्रेनो वेस्ट के तीन सब इंस्पेक्टर को शुक्रवार रात निलंबित कर दिया गया। सीओ राजीव कुमार सिंह की रिपोर्ट के आधार पर यह गाज गिरी है। एसपी सिटी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि एसएचओ मनोज पाठक, सब इंस्पेक्टर मानसिंह, वीरपाल और राजेंद्र कुमार पर कार्रवाई की गई है।

सीएए पर लोगों को समझाए कार्यकर्ता विपक्ष की खुलेगी पोलः अमित शाह

नई दिल्ली। देश के गृह मंत्री अमित शाह ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर अपने गृह राज्य में विपक्ष के ऊपर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सीएए पर पर विपक्ष झूठ बोल रहा है। अपने गृह राज्य गुजरात के गांधी नगर में शनिवार को साइबर से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने कहा, विपक्ष सीएए पर झूठ फैला रहा है और इस कानून का मकसद लोगों को नागरिकता देना है न कि नागरिकता छीनना है।गृहमंत्री ने आगे कहा, मैं भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि वह लोगों को समझाएं कि संशोधित नागरिकता कानून क्या है, इसके बाद विपक्ष की पोल खुलेगी। अमित शाह ने अपराधों में तकनीक की भूमिका के बारे में बोलते हुए कहा केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा अधिक से अधिक तकनीक के इस्तेमाल के जरिए अपराधों को रोका जा सकता है। गौरतलब है कि नागरिकता कानून संशोधन संसद के दोनों सदनों में पास होने और उस पर राष्ट्रपति की मुहर लगने के बाद इसके खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हो रहा है।

भारतीय मासूम हैं कुछ भी सच मान लेते हैं: चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि- मैं भारत जैसे मासूम लोक कहीं नहीं देखे जो सरकार द्वारा अपने कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर किए दावे का भरोसा कर लेते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि- भारतीय मासूम होते हैं, किसी अखबार में कुछ लिखा होता है तो वे उसे मान लेते हैं। हम कुछ भी भरोसा कर लेते हैं- सभी गांव में बिजली के दावे हो या 99 प्रतिशत परिवारों को शौचालय की सुविधा आदि। उन्होंने कहा कि- ऐसा ही कुछ आयूष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि उनके दिल्ली के रहने वाले कार ड्राइवर के पिता को इस योजना के तहत सर्जरी करानी थी लेकिन नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि - मैंने ड्राइवर से कहा कि अगर आपके पास आयुष्मान कार्ड है तो अस्पताल ले जाकर दिखाइये। उसने कहा कि अलग अलग अस्पताल में जाकर देखा किसी को इसकी जानकारी तक नहीं थी। लेकिन हमें लगता है कि आयुष्मान भारत योजना पूरे देश में लागू है।

CAA-NRC के विरोध प्रदर्शनों के दौरान

बंगाल में रेलवे को हुआ 84 करोड़ का नुकसान

कोलकाता। भारतीय रेलवे ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में 13 दिसंबर से 15 दिसंबर के बीच सीएए और एनआरसी के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में उसे 84 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। कोलकाता हाईकोर्ट के समक्ष दाखिल की गई रिपोर्ट में रेलवे ने यह बात कही। पूर्व रेलवे ने मुख्य न्यायाधीश टी बी एन राधाकृष्णन और न्यायमूर्ति ए बनर्जी की खंडपीठ के समक्ष शुक्रवार को एक हलफनामे में कहा कि विरोध प्रदर्शन के चलते उसे 72.2 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हलफनामे में बताया गया कि सबसे अधिक 46 करोड़ रुपये का नुकसान सियालदह डिवीजन में हुआ। इसके अलावा मालदा डिविजन में 24.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। दक्षिण पूर्वी रेलवे ने एक अलग हलफनामे में कहा कि उसे 12.75 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

शादी दो दिन बाद पत्नी को पति की सच्चाई का चला पता

गाजियाबाद । गाजियाबाद के वसुंधरा निवासी एक युवती ने अपने पति समेत सात लोगों के खिलाफ प्रताड़ना और धोखा देकर दूसरी शादी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने उसे दो बार घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद पीड़िता ने एसएसपी से गुहार लगाई। अब एसएसपी के आदेश पर महिला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया है कि उसकी शादी 21 फरवरी 2019 को आगरा निवासी युवक के साथ हुई थी। शादी के दो दिन बाद ही एक युवती उसके घर आई और हंगामा करने लगी। इसके बाद उसके ससुराल वाले उसे कमरे में ले गए और दोनों में कहासुनी होने लगी। बात ही बात में पता चला कि युवती उसके पति की पहली पत्नी है। वहीं जिस घर में शादी कर वह आई है, वह घर उसी युवती के नाम पर है। ससुरालियों ने उस समय तो युवती को यह कहकर वापस भेज दिया कि वह दो-चार दिन में दिल्ली में उसके घर आकर बातचीत करेंगे। वहीं, जब पीड़िता ने इस संबंध में ससुरालियों से पूछा तो उन्होंने उसकी मानसिक हालत खराब होने की बात कही। पीड़िता का आरोप है कि पोल खुलने के बाद से ससुरालियों ने दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

ईरान ने कबूला सच-मानवीय चूक से मार गिराया विमान तो यूक्रेन बोला-

दोषियों को मिले सजा और दें मुआवजा

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने शनिवार को मांग की कि ईरान यूक्रेनी एयरलाइनर को गिराने के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करे और इसके लिए मुआवजे का भुगतान करे। उन्होंने कहा कि - हम उम्मीद करते हैं कि ईरान आरोपियों को ढूंढ निकाले। उन्होंने अपने फेसबुक वॉल पर लिखा कि नुकसान के मुआवजे का भुगतान भी किया जाए। बता दें कि तेहरान ने शनिवार को स्वीकार किया कि उसने बुधवार को भूल से यूक्रेन इंटरनेशनल एयरलाइन के हवाईजहाज को गिरा दिया है। जिसके कारण विमान में बैठे सभी 176 लोगों की मौत हो गई। इराक में अमेरिकी बलों की मेजबानी करने वाले ठिकानों पर मिसाइलों के प्रक्षेपण के दौरान ये भूल हुई। उन्होंने लिखा कि हमें उम्मीद है कि जांच बिना किसी देरी के और बिना किसी बाधा के आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने 45 यूक्रेनी विशेषज्ञों की पूरी जांच तक पहुंच का आग्रह किया। ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी ने शनिवार को कहा था कि तेहरान को इस विनाशकारी गलती का गहरा अफसोस है। यूक्रेन ने कहा कि शुक्रवार को ईरान भेजे गए उसके विशेषज्ञों को फ्लाइट के ब्लैक बॉक्स, प्लेन से मलबा, क्रैश साइट और पायलट और एयरपोर्ट कंट्रोल टॉवर के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग तक पहुंच दी गई थी। ईरान की आधिकारिक आईआरएनए समाचार एजेंसी ने सेना के एक बयान को प्रकाशित करते हुए कहा कि बोइंग 737 को एक शत्रुतापूर्ण विमान के रूप में समझा गया जब दुश्मन के खतरे उच्चतम स्तर पर थे।

आवश्यकता है

पुष्पांजली राष्ट्रीय मासिक पत्रिका/ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल को भारत के हर राज्य, जिला एवं तहसील स्तर पर ब्यूरो चीफ, रिपोर्टर और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।

इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

देश के सभी प्रदेशों में, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, बिहार, गुजरात, गोवा, झारखंड

कार्यालयः ए-ब्लॉक 404 गाऊ साहब की पोलनिस, इन्क्लेव गुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर

संपर्कः 7999246560, 8269307478

Email-pushpanjalitoday@gmail.com. Web-www.pushpanjalitoday.com

आर्मी चीफ मुकंद नरवाने का बड़ा बयान, कहा-

आदेश मिलेगा तो POK के लिए करेंगे कार्रवाई

> दिल्ली में सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवाने ने सीडीएस के गठन और सैन्य मामलों के विभाग बनाने को लेकर कहा कि सेना के एकीकरण की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है और हम अपनी ओर से यह सुनिश्चित करेंगे कि यह सफल रहे। तीनों सेनाओं में तालमेल सबसे जरूरी है।

__नई दिल्ली।__ सेना प्रमुख मुकंद नरवाने ने पीओके को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि एक संसदीय संकल्प है कि संपूर्ण जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा है। यदि संसद यह चाहती है, तो उस क्षेत्र को भी भारत में होना चाहिए। जब हमें इस बारे में कोई आदेश मिलेंगे, तो हम उचित कार्रवाई करेंगे। दिल्ली में सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवाने ने सीडीएस के गठन और सैन्य मामलों के विभाग बनाने को लेकर कहा कि सेना के एकीकरण की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है और हम अपनी ओर से यह सुनिश्चित करेंगे कि यह सफल रहे। तीनों सेनाओं में तालमेल सबसे जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे जवान हमारी सबसे बड़ी ताकत है और भविष्य में उनके प्रशिक्षण पर हमारा जोर रहेगा। चीन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र में किये जा रहे सैन्य बुनियादी ढांचे के विस्तार को लेकर सेना प्रमुख नरवणे ने कहा कि हम उत्तरी सीमा पर उभरी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं। नरवाने ने कहा कि सेना के रूप में हम भारत के संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं और वह हमें हर समय हमारे कार्यों में मार्गदर्शन करता है। सेना के रूप में हम भारत के संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं, संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का हमें मार्गदर्शन करना चाहिए। पुंछ सेक्टर में पाकिस्तानी सेना द्वारा दो निहत्थे नागरिकों की हत्या के मामले को लेकर पूछे गए सवाल पर सेना प्रमुख ने कहा कि हम इस तरह की बर्बर गतिविधियों का सहारा नहीं लेते हैं और बहुत ही पेशेवर रूप में लड़ते हैं। हम सैन्य रूप से ऐसी स्थितियों से उचित तरीके से निपटेंगे।

बदले हालात में तेल आपूर्ति का संकट

पिछली सदी में केंद्रीय मंत्री रहे जगजीवन राम को 'किस्मत का धनी कृषि मंत्री' कहा जाता था। कारण यह कि जब भी वे इस पद पर होते तो मानसून बहुत अच्छा रहता और फसल बंपर हुआ करती थी। यह किस्मत ऐसी चीज़ है जो किसी भी राजनेता की सफलता के लिए सबसे पहला जरूरी अवयव है। नरेंद्र मोदी भी कई मामलों में बहुत भाग्यशाली रहे हैं। इनमें एक यह है कि वर्ष 2014 में एनडीए की सरकार बनने के बाद जल्द ही कच्चे तेल की कीमतें काफी नीचे चली गई थीं। जबकि उनसे पहले मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकारों को जब-तब अंतर्राष्ट्रीय तेल कीमतों में उतार-चढ़ावों से जूझना पड़ता था। यूपीए के राज में एक समय तो यह आंकड़ा 100 डॉलर प्रति बैरल को छू गया था। उस वक्त विपक्ष में रही भाजपा इस दलील को मानने को तैयार नहीं थी कि देश की आर्थिकी पर बोझ के लिए बाहरी वैश्विक कारक भी दोषी होते हैं। लेकिन पिछले दो सालों से, जब से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने लगी हैं, अब प्रतीत हो रहा है कि वही भाजपा अपने पिछले रुख को तजते हुए ठीक वही 'बहाने' बनाने लगी है, जिसके लिए वह सत्तारूढ़ यूपीए को आड़े हाथों लिया करती थी। लेकिन इसके बावजूद एनडीए कुछ हद तक फिर भाग्यशाली रही है, क्योंकि पिछले दो सालों में कच्चे तेल की कीमतें 60 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा नहीं चढ़ी हैं, जिसकी बदौलत उसे वित्तीय घाटा वहनयोग्य सीमा के अंदर रखने में सफलता मिल पाई है।

परंतु पिछले हफ्ते बगदाद में ईरान के उच्च सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की अमेरिकी मिसाइल हमले में मौत के बाद भू-राजनीतिक स्थितियों ने अचानक पलटी खाई है। इससे समूचे पश्चिम एशिया क्षेत्र में हालात अत्यंत विस्फोटक बन गए हैं। इसके असरात अभी से तेल एवं अन्य वस्तुओं के बाजार भावों पर पड़ते दिखाई देने लगे हैं। जहां हमेशा से सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने की कीमतों में उछाल आया है वहीं कच्चे तेल की कीमतें भी उछल रही हैं। यह बताने के लिए किसी ज्योतिषी की जरूरत नहीं है कि अगर कोई चमत्कार नहीं हुआ तो हिंसा भरे घटनाक्रम के नतीजे में आवश्यक वस्तुएं जैसे कि तेल की कीमतें और ज्यादा चढ़ेंगी।

फिलहाल कच्चे तेल की कीमतें तय करने में सोपान माने जाते 'ब्रेंट क्रूड ऑयल' सूचकांक ने अपना ऊपर जाता पिछला रुख कायम करते हुए 70 डॉलर प्रति बैरल को पार लिया है। अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत भी ऊपर उठकर 64 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। भारत अपनी तेल आपूर्ति कई देशों से करता है, जिन्हें हमारा 'क्रूड ऑयल बास्केट' (सीओपी) कहा जाता है। बगदाद के ताजा घटनाक्रम से पहले इन मुल्कों से मिलने वाले तेल का भाव 65 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था, जो हमारे देश के लिए

वहनयोग्य दर्जे में आता था। इसे उस तथ्य के संदर्भ में देखना होगा कि भारत अपनी कुल तेल खपत का ज्यादातर भाग आयात करता है और वर्ष 2018-19 में इसके लिए 112 बिलियन डॉलर चुकाने पड़े थे, जबकि इससे पिछले साल यह मद 88 बिलियन डॉलर के आसपास थी।

इसलिए वैश्विक तेल बाजार पर पैनी निगाह रखने की जरूरत है। पिछले कुल सालों में रूस और अमेरिका का समर्थन करने वाले पश्चिम एशियाई तेल उत्पादक देशों (ओपेक) के अलग-अलग धड़ों के बीच आपसी खींचतान रही है। यहां गौरतलब है कि अमेरिका अपने तटीय क्षेत्रों में कच्चे तेल की खोज होने के बाद खुद विश्व में एक प्रमुख तेल निर्यातक मुल्क बन गया है। यह तथ्य है कि वर्ष 2014 में मोदी के सत्ता में आने के बाद अमेरिकी तेल की आसान उपलब्धता की वजह से ही वैश्विक तेल भाव में कमी आई थी। लेकिन जब रूस की पहल पर ओपेक के सदस्यों के बीच अपनी-अपनी सप्लाई घटाने का करार सिरे चढ़ गया था तो कीमतें धीरे-धीरे ऊपर उठने लगी थीं। यह इस गठजोड़ का ही नतीजा था कि वैश्विक तेल बाजार में वर्ष 2018 में कीमतें एक बार फिर 70 डॉलर प्रति बैरल को छू गई थीं।

इस अवधि में तेल की ऊपर गई कीमतों से आयात बिल में बढ़ोतरी होने पर भारत का चिंतातुर होना स्वभाविक था और सरकार ने ओपेक के साथ बेहतर कीमतों के लिए समझौता करने का प्रयाय भी किया था। स्थिति उस वक्त और ज्यादा जटिल बन गई जब अमेरिका ने वर्ष 2018 में ईरान पर फिर से आर्थिक प्रतिबंध जड़ दिए थे और भारत पर भी दबाव बनाया कि वह उससे तेल लेना बंद कर दे। रिवायती तौर पर हमारे कच्चे तेल का काफी बड़ा हिस्सा ईरान से आता रहा है। जहां तक तेल आपूर्ति की बात है तो ईरान के साथ प्रतिबंधों के चलते उससे मिलने वाला तेल पहले ही बंद हो चुका है परंतु यहां अमेरिका जैसे अन्य तेल उत्पादक देशों को हमारी मदद को आगे आना होगा ताकि तेल उपलब्धता में कोई व्यवधान न उत्पन्न हो। सच्चाई यह है कि अपनी तेल जरूरतों की आपूर्ति के लिए मुख्यत: आयात पर निर्भर रहने वाले भारत जैसे देशों के लिए विकल्प बहुत सीमित हैं, तिस पर ऊंची कीमतें उनका बजट हिलाने के लिए काफी हैं। भारत में पुराने पड़ चुके घरेलू तेल कुओं से निकलने वाले तेल की मात्रा कम होती जा रही है, इनसे होने वाला उत्पादन वर्ष 2010-11 में 37.7 मिलियन टन था जो कि वर्ष 2018-19 में घटकर 34.2 मिलियन टन हो गया है। नतीजतन देश की कुल तेल खपत के 80-85 प्रतिशत हिस्से के लिए हमें अप्रत्याशित माहौल वाले पश्चिमी एशियाई तेल उत्पादक देशों पर निर्भर रहना पड़ता है।

तथापि हमारे लिए राहत की एकमात्र किरण यह है कि देश का मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड ऊंचाई पर है, नवीनतम आंकड़ें बताते हैं कि यह मात्रा वर्ष 2019 के अंत तक 457.46 बिलियन डॉलर छू गई है। यह रकम इससे पिछले साल के मुकाबले 16.3 फीसदी अर्थात 64 बिलियन डॉलर ज्यादा है। यह बढ़ोतरी पिछले साल में हुए सुदृढ़ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और पोर्टफोलियो इंवेस्टमेंट की लहर पर चढ़कर आई है और यह बात तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के अपेक्षित झटके को सहने हेतु जरूरी गद्दे का काम करेगी। अमेरिका और ईरान के बीच बने तनाव से पश्चिम एशिया में अस्थिरता बनने के नतीजे भारत पर बहुत असरअंदाज होंगे। इसके मद्देनजर भारत सरकार को अपनी तेल जरूरतों की अबाध आपूर्ति उन देशों से सुनिश्चित करनी होगी, जिनसे हम लंबे समय से तेल आयात करते आए हैं। तेल आपूर्ति को बृहदता देने के लिए हमें अन्य तेल निर्यातकों जैसे कि नाईजीरिया और अमेरिका से राब्ता बनाने के लिए सक्रिय राजनयिक प्रयास करने होंगे। चूंकि भारत की ऊर्जा जरूरतों में तेल और गैस का हिस्सा 40 प्रतिशत है, अतएव बढ़ती वैश्विक तेल कीमतों से अगले साल अपना वित्तीय घाटा वहनयोग्य सीमा में रखने का हमारा ध्येय हिल सकता है।

संपादकीय

अभिव्यक्ति और इंटरनेट

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 हटाये जाने के बाद लागू इंटरनेट प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंच ने इंटरनेट को लोगों की अभिव्यक्ति का अधिकार बताया। कोर्ट ने कहा कि निस्संदेह कश्मीर ने बहुत हिंसा देखी है मगर इंटरनेट फ्रीडम ऑफ स्पीच के तहत आता है। साथ ही इंटरनेट बंद करना न्यायिक समीक्षा के दायरे में आता है। कोर्ट ने सरकार को निर्देश?दिया कि एक सप्ताह के भीतर सभी पाबंदियों की समीक्षा की जाए। जस्टिस एन.वी. रमन्ना, जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी ?और जस्टिस बी.आर. गवई की तीन सदस्यीय बेंच ने कश्मीर में लॉकडाउन की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर यह बात कही। अदालत ने केंद्र सरकार की कार्यशैली पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी राज्य में सुरक्षा और मानवीय आजादी में संतुलन बनाने की जरूरत होती है। विषम परिस्थितियों में संविधान के कुछ सिद्धांतों के अनुरूप ही स्वतंत्रता को सीमित किया जा सकता है। जब जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और आजादी का संतुलन बनायें तो इन बातों का ध्यान रखना जरूरी होगा। कोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जाहिर की कि राज्य में जब संचार माध्यमों और इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाये गये तो इससे जुड़े आदेश?न तो प्रकाशित किये गये और न ही अदालत को सौंपे गये। अदालत ने ऐसे ही टिप्पणी धारा 144 लगाये जाने के खिलाफ की और इससे जुड़े आदेश के प्रकाशित न होने की बात कही। जाहिरा तौर पर सरकार को इशारा किया गया कि इंटरनेट पर प्रतिबंध और धारा 144 लगाये जाने से पहले प्रतिबंध की सीमाओं का ध्यान रखना भी जरूरी होगा। निस्संदेह आज जब तमाम कारोबार इंटरनेट के जरिये पूरी दुनिया से जुड़े हैं तो इंटरनेट के बंद होने से कारोबार पर प्रतिकूल असर पड़ना स्वाभाविक है। साथ ही कश्मीर में मीडिया संस्थानों को इंटरनेट बंद होने से परेशानी का सामना करना पड़ा है। निस्संदेह बीते पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 के हटने के बाद दूरसंचार पर लागू प्रतिबंधों में सरकार ने धीरे-धीरे ढील दी थी। राज्य में कुछ इलाके सामान्य स्थिति की ओर लौट रहे हैं। राज्य में पोस्टपेड मोबाइल सेवा और लैंडलाइन फोन सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, मगर प्रीपेड मोबाइल सेवा और इंटरनेट सेवाएं अभी शुरू होना बाकी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि जहां सुरक्षा की बड़ी चुनौती न हो और जरूरत हो, वहां इंटरनेट सेवा बहाल की जाये। कोर्ट का तर्क था कि सरकार किसी भी प्रतिबंध की सूचना पब्लिक डोमेन में डाले ताकि लोग कोर्ट जा सकें। सरकार एक बार फिर इंटरनेट पर प्रतिबंध की समीक्षा करे। कोर्ट ने अपने आदेश में सभी सरकारी और स्थानीय निकायों की वेबसाइटों की बहाली का भी आदेश दिया, जहां इंटरनेट का दुरुपयोग न्यूनतम है। इसे अनिश्चितकाल तक बंद नहीं किया जा सकता, जहां जरूरत है वहां ?इसे बहाल किया जाये। अदालत ने महत्वपूर्ण बात यह भी कही कि मजिस्ट्रेट को धारा 144 के तहत पाबंदियों को लागू करते समय नागरिक स्वतंत्रता और सुरक्षा के खतरे के मद्देनजर अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही सत्ताधीशों को चेताया कि सीआरपीसी के तहत धारा 144 का बार-बार आदेश देना एक किस्म से सत्ता का दुरुपयोग है। साथ ही यह भी कि प्रतिबंधात्मक उपायों को लागू करने के लिये आनुपातिकता के सिद्धांत का पालन करना चाहिए। सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता के संबंध में हमें एक संतुलन खोजना चाहिए। सुरक्षा होनी चाहिए मगर मानवाधिकारों का भी सम्मान किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जहां संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में इंटरनेट का अधिकार शामिल है, वहीं इंटरनेट पर प्रतिबंधों पर अनुच्छेद 19(2) के तहत आनुपातिकता के सिद्धांत का पालन करना होगा। इंटरनेट पर अनिश्चितकाल तक प्रतिबंध स्वीकार्य नहीं है।

अराजक विश्वविद्यालय

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हुई हिंसा के मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से पेश किए गए प्रारंभिक तथ्यों से यदि कुछ रेखांकित हो रहा है तो यही कि दोनों पक्षों के छात्र किसी न किसी रूप में हिंसक गतिविधियों में शामिल थे। चूंकि अभी पुलिस की जांच पूरी नहीं हुई और उसकी ओर से नकाबधारी तत्वों को बेनकाब किया जाना भी शेष है, इसलिए किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता। दिल्ली पुलिस को न केवल जल्द से जल्द अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचना होगा, बल्कि हिंसा में लिप्त तत्वों के खिलाफ ऐसे पुख्ता सुबूत भी जुटाने होंगे, जिससे अराजक तत्वों को दंड का भागीदार बनाया जा सके। उसे यह काम प्राथमिकता के आधार पर इसलिए करना होगा, क्योंकि यदि उसने जेएनयू परिसर की हिंसक गतिविधियों पर समय रहते आवश्यक कार्रवाई की होती तो शायद जो स्थिति बनी, उससे बचा जा सकता था। यह अच्छा नहीं हुआ कि पुलिस न तो तब हरकत में आई, जब जेएनयू में रजिस्ट्रेशन कराने गए छात्रों को पीटने के साथ वहां इंटरनेट बाधित किया जा रहा था और न ही तब जब वहां नकाबधारी तत्व घुसकर उत्पात मचा रहे थे।

बुजुर्गियत की अपनी दिक्कतें-सहूलियतें

जब मैं साठ-पैंसठ साल पहले स्कूल में था, मेरा एक सहपाठी था वहां। मुझसे एकाध साल छोटा। भरा हुआ शरीर था उसका। कह सकते हैं कि वह कुछ मोटा ही था। मैं उसके जितना नहीं, पर था मैं भी गोलाकृति का। वो सेब तो मैं चीकू। लेकिन फर्क! मैं इंतहा बोर लड़का, बोरियत का जीता-जागता उदाहरण। वह ठीक विपरीत, मजाकिया, खुश-मिजाज, हमेशा हंसने वाला, हंसाने वाला। खुद का मजाक खूब करता।

आज हम दोनों चौहत्तर-पचहत्तर के हैं। उसका वजन आज वह नहीं, जो तब था, लेकिन जिस्म आज भी कुछ भरा हुआ सा ही है। गोलाई अब भी है उसमें। आज भी वही हंसता हुआ चेहरा है उसका, हंसाने की वही तबीयत।

स्कूल में उसने अपने पर एक लेख लिखा था, स्कूल की पत्रिका में। शीर्षक- %मुसीबत है मोटापा। सारा स्कूल खिल उठा था उसको पढ़कर। हंस-हंस कर हर स्कूल साथी पढ़ गया था उसको। लेख की अंतर्वस्तुएं आज मुझे याद नहीं, किंतु शीर्षक कभी नहीं भूला। इधर कुछ दिनों पहले फिर से मुलाकात हुई हमारी। शादी थी एक और स्कूल के साथी की बेटी की। दोनों ने स्कूल की ही बातें करीं। मैंने उस लेख का जिक्र किया। बिल्कुल याद था दोस्त को। मैंने कहा, आज मुसीबत हमारी मोटापा नहीं है, जितना कि बुढ़ापा। दोनों खूब हंसे।

हां, हम कोई %वैसे बूढ़े नहीं है। हाथों में अब तक छड़ी नहीं पहुंची है। चल सकते हैं बे-सहारे। कमर झुकी नहीं है अब तक। कंधे सीधे ही हैं, गर्दन भी। आंखों में ऐनक है, लेकिन वैसे दृष्टि ठीक है। रास्ते में गड्ढा हो और ठीक समय पर दिख जावे तो चलने की गति को धीरे कर, ध्यान से लांघ लेता हूं। या फिर उसके सिरे से घूमकर आगे बढ़ जाता हूं। सीढ़ियों के सामने कुछ हिम्मत जरूर टूट जाती है और जहां लिफ्ट हो तो उस ही का उपयोग करता हूं। हां, सीढ़ियों पर चढ़ते और उतरते (खासकर उतरते) वक्त, जंगले की मदद ले लेता हूं, निस्संकोच। और अगर उस वक्त कोई भला मानुष हाथ आगे बढ़ाकर कहता है %सर, मदद? या %कैन आय हेल्प यू, सर? तो मैं %नहीं भाई, अभी तक तो वह नौबत नहीं, या %नो नीड, थैंक यू नहीं कहता अब। दो-चार साल पहले जरूर कह देता, पर अब हिम्मत नहीं। %यस, थैंक्स, कहकर उस हाथ को थाम लेता हूं और जब तक समतल फर्श पर दोनों पैर नहीं टिक जाते, हाथ को छोड़ता नहीं।

चलने की गति जो है बुढ़ापे में, अजीब है। कभी-कभी बिना किसी तकलीफ के रफ्तार से चल लेता हूं। जैसे कि यौवन में और मध्य वय में। जमीन सपाट होनी चाहिए, बस। लेकिन कभी-कभी और बार-बार पैर उठते ही ढल से जाते हैं, घुटने दुखने लगते हैं, मानो कह रहे हों %हुजूर, हम भी चौहत्तर के हो चले हैं। बहुत घुमा चुके हैं हम आपको। तरह-तरह के परतों पर, रेतीले, पथरीले, कंटीले, कंकरी... । अब हम पर भी कुछ दया करें! और पांवों से जुड़े टखने जो हैं, हे भगवान...क्या मिजाज है उनका। कभी शांत, शील, सुशील, और कभी इंतहा तुनकमिजाजी, चिड़चिड़े। मासूम कदम को बीच राह में रोक देते हैं ये टखने, जैसे कि मोटर गाड़ी की ब्रेक। लुढ़क कर गिर सकता है इंसान उस %ब्रेक से। ईश्वर की असीम अनुकंपा रही है, आज तक उस हादसे से बचा हुआ हूं। वरना नाक, ठुड्डी, हथेलियां, कलाइयां, कोहनियां बयान देतीं अपने-अपने, बुजुर्गी की कचहरी में।

सड़क को क्रॉस करना मामूली बात होती है ना, यौवन और मध्यावस्था में? जी, पर बुढ़ापे में नहीं। क्या-क्या चुनौतियां होती हैं उस क्रिया में? वैसे भी आज के ट्रैफिक में प्यादे खतरे में रहते हैं। इधर से सर्रर मोटर साइकल, उधर से फर्रर ऑटो। इधर से जर्रर मोटर गाड़ी, उधर से घर्रर बस। और बीच में गायें, बैल, कुत्ते, खड्डे, मलबा, कचरा... । इन सब को ध्यान में रखते हुए गैर-बूढ़ा यानी, %नॉर्मल एज का इंसान भी डरा हुआ होता है। बूढ़ों का पूछना ही क्या! मैं दिल को मुंह में दबाए, ईश्वर का नाम लेते हुए क्रॉस करता हूं। और समझिए... यह करते हुए, अपनी आंखों को फाड़ कर। मोतियाबिंद पके नहीं हैं अब तक मेरे। फिर भी बहुत मेहनत कर चुकी हैं मेरी आंखें। थकी हुई हैं दुनिया को सात दशकों से देखते हुए, जमाने को समझते हुए। चौकन्?ना रहना मुश्किल है उनके लिए। और फिर कान... हाय! कानों की भी अपनी जरूरत होती है सड़क को क्रॉस करते हुए। मेरी पत्नी कह-कहकर थक गई है सुनिए भी तो...सड़क पर चलते समय अपने हियरिंग एड को पहनना भूल क्यों जाते हैं? पीछे से, साइड से कोई गाड़ी आए तो आपको उसकी आवाज सुनाई ना देगी... और फिर?...

क्या-क्या सोचना पड़ता है सड़क क्रॉस करने की छोटी सी क्रिया में। पैरों की मजबूती, घुटनों की तंदुरुस्ती, आंखों की तेजी, कानों की नजाकत, दिमाग की स्फूर्ति... और फिर ट्रैफिक की इनायत।

कानों की बात हुई है तो यह भी कहना होगा कि हियरिंग एड (%श्रवण-सहाय, हाय, कौन कहे?) उपयोगी होते हैं, बहुत ही उपयोगी। जब मुझे मेरे कानों के डॉक्टर ने कहा %सर, यू विल हैव टु वियर हियरिंग एड, तो मुझे कुछ अचरज न हुई। जानता जो था कि मैं बहरा तो नहीं पर ऊंचा सुनने वालों की श्रेणी में पहुंच गया हूं। पर सदमा लगा मुझे हियरिंग एड की दुकान में। %ट्रायल में एक जोड़ी आजमाई। जंची नहीं। कर्कश आवाज आ रही थी उस में से। दूसरी लगाई। ना-ना, मानो शहनाई बज रही थी। तीसरी। वाह-वाह, क्या गजब। जैसे कि सब शांत था। सिर्फ जो सुनना चाहिए, सिर्फ वह। सीधे कान की गुफा में। हर स्वर शुद्ध। हर सुर तीव्र। तितलियों की फुसफुस तक सुनाई दे जाए। ऐसी थी वह जोड़ी। %बस, मैंने कहा। यह पसंद आए हैं, बिल भिजवा दीजिए। दुकानदार काफी सुलझा हुआ आदमी था।

बिछने लगी विधानसभा के लिए सियासी बिसात

दिल्ली के बाद इस साल के अंत में बिहार विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसलिए प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। झारखंड को भाजपा से छीनने से उत्साहित कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) का गठजोड़ अब जनता दल (यू), भाजपा व एलजेपी को बिहार की सत्ता से बाहर करने के लिए अभी से कमर कसने लगा है, जबकि सत्तारूढ़ एनडीए हर हालत में बिहार को हाथ से नहीं जाने देने के लिए प्रयास में लग गया है। निस्संदेह बिहार के सकारात्मक नतीजे पड़ोसी पश्चिम बंगाल में भाजपा के लिए चुनावी माहौल बनाने का काम आसान करेंगे क्योंकि बिहार के ठीक बाद पश्चिम बंगाल में चुनाव होने हैं।

बिहार में एनडीए को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास है। महाराष्ट्र से सबक लेते हुए भाजपा कोई जोखिम उठाना नहीं चाहती। इसलिए एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनावी मैदान में उतरेगा। दूसरी ओर आरजेडी ने भी कह दिया है कि पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के छोटे पुत्र और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के चेहरे के साथ महागठबंधन चुनाव लड़ेगा। बिहार विधानसभा का कार्यकाल 29 नवंबर 2020 को समाप्त हो रहा है, लेकिन अभी से प्रदेश में सियासी सरगर्मी शुरू हो गई है। 2015 के चुनावी समीकरणों के उलट इस बार एनडीए और यूपीए के बीच ही चुनावी बिसात बिछने जा रही है। 2015 के चुनाव में नीतीश कुमार की जेडीयू ने लालू प्रसाद यादव की आरजेडी और कांग्रेस के साथ महागठबंधन बनाकर भाजपानीत एनडीए के खिलाफ चुनाव लड़ा था। दूसरी ओर भाजपा, एलजेपी और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) व जीतनराम मांझी का हिंदुस्तान अवामी मोर्चा (हम) एक साथ चुनाव मैदान में थे। तब महागठबंधन की विजय हुई और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बन गए। हालांकि नीतीश कुमार बाद में भाजपा के पाले में आ गए और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर जमे रहे। प्रदेश की 203 सीटों वाली विधानसभा में आरजेडी 80 सीटों

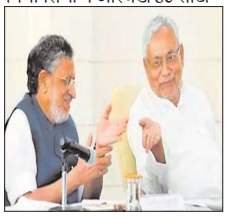

के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। जबकि जेडीयू को 71 व कांग्रेस को 27 सीटें मिलीं। भाजपा को 53, एलजेपी को 2, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी को 2 तथा जीतनराम मांझी के हिंदुस्तानी अवामी मोर्चा (हम) को एक सीट मिली थी। सीपीआई (माले) को 3 तथा एक सीट निर्दलीय के खाते में गई। बहरहाल, एनडीए के इन दो घटक दलों भाजपा और जेडीयू के बीच विभिन्न मुद्दों पर आए दिन कड़वाहट भी देखने को मिलती रहती है। एक ओर भाजपा से संजय पासवान और केंद्रीय मंत्री गिरिराज किशोर मोर्चा खोले रहते हैं तो दूसरी ओर अब जेडीयू उपाध्यक्ष प्रशांत किशोर हैं। प्रशांत किशोर नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के मुद्दे पर जेडीयू के फैसले के विरोध में बोलते रहे हैं। प्रशांत के रुख का जेडीयू नेता पवन वर्मा और गुलाम रसूल बलयावी भी समर्थन कर चुके हैं। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि जेडीयू की धर्मनिरपेक्ष छवि बनाए रखने व आगामी चुनाव के मद्देनजर मुस्लिम मतदाताओं को अपने पाले में बनाए रखने के लिए नीतीश कुमार के इशारे पर ही प्रशांत सीएए के खिलाफ बोलते रहे हैं। इसके अलावा बिहार के पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद अब दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी प्रमुख के चुनावी प्रबंधन का काम भी संभाल रहे हैं। जबकि इन दोनों ही प्रदेशों में भाजपा का सीधा मुकाबला ममता और केजरीवाल से ही है। भाजपा इस नाराजगी को जाहिर करती भी रही है। इन मुद्दों के बाद अब दोनों दलों में टिकट बंटवारे को लेकर टकराहट की आशंका है। जेडीयू के नेताओं के लगातार बयान आ रहे हैं कि उसे बड़े भाई होने के नाते ज्यादा सीटें दी जानी चाहिए। जबकि भाजपा ऐसा करने के पक्ष में नहीं है। भाजपा में एक वर्ग चाहता रहा है कि पार्टी को अब बड़े भाई की भूमिका में आना चाहिए।

खुशियों की राह

गम छोड़ के जा तू
खुशियों की राहा दिखा तू
खुशियाँ थामे हैं हाथ मेरा
गम पिछे पड़ा क्यों साथ मेरा
जीवन मे खुशियाँ आने दे
तिमिर जरा छट जाने दे
बन भोर किरण सुबहा आऐ
गम पानी सा यूँ बह जाऐ
गम सूखी पत्तियाँ पेड़ों की
झोंके से वो गिर जाती हैं
जीवन है पत्तों सा मेरा
फिर नई पत्तियाँ आने दे
राहा देखती है खुशियाँ
इस गम को किनारे लगाने दे
इस दिल के छोटे कोने मे
खुशियों की जगह बनाने दे
गम छोड़ के जल्दी जा तू
खुशियों को दिल मे आने दे ।।

राधा शर्मा
इंदौर मप्र

नए दौर के सिर पर मंडराती ड्रोन की चुनौतियां

उस एमक्यू-9 रीपर ड्रोन ने नए दशक की शुरुआत का डंका पीट दिया है, जिससे हेलफायर मिसाइल दागकर ईरानी सेना के प्रमुख कासिम सुलेमानी को मार गिराया गया। इससे कुछ ही दिन पहले एक वह ड्रोन चर्चा में था, जो भारत में आंदोलन कर रहे छात्रों की निगरानी कर रहा था, लेकिन उसे उतना खतरनाक नहीं कहा जा सकता। खतरनाक ड्रोन की शृंखला में रीपर अकेला नहीं है, आज दुनिया में प्रीडेटर, रेप्टर जैसे कई ड्रोन इस्तेमाल हो रहे हैं, जो लेजर गाइडेड मिसाइल छोड़ने की क्षमता रखते हैं। हालांकि खुद ड्रोन शब्द अपने आप में मासूम-सा है। यह उन मधुमक्खियों से लिया गया है, जो मधु एकत्र करके शहद के छत्ते का निर्माण करती हैं। महान लेखक पीजी वुडहाउस ने एक ड्रोन क्लब बनाया था, जहां कुंवारे अंग्रेज शाम की चाय पर जमा होते थे। लेकिन आज जब इन्हीं मानवरहित हवाई वाहनों का इस्तेमाल सैनिक उद्देश्यों से किया जाता है, तो हैरत नहीं होती। ऐसा पहला मामला 1960 में हुआ था, जब अमेरिका ने ड्रोन के जरिए एक सोवियत विमान को मार गिराया था। ड्रोन बेशक सैनिक और पुलिस कार्रवाइयों के लिए इस्तेमाल होते हैं, लेकिन उनके दूसरे इस्तेमाल भी हैं। चीन की कंपनी डीजेआई इसका उपयोग लॉजिस्टिक्स में करने की अगुवा है। अमेजन ऐसे ड्रोन बनाने में जुटी है, जो सामान की डिलेवरी कर सकें। न्यूजीलैंड में डोमिनोज ने इसके जरिए पिज्जा डिलेवर करने का एक प्रयोग किया था। हालांकि इनका सबसे बेहतर इस्तेमाल कृषि, हवाई फोटोग्राफी, राहत व बचाव अभियानों और बीमा वगैरह में किया जा सकता है। एक स्टार्टअप टेराव्यू ने इसका इस्तेमाल अंगूर के खेतों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए किया है। ड्रोन से यह आकलन किया जा सकता है कि उपज के बाद खेत में कितना अनाज पड़ा है या खदान के बाहर कोयले का कितना ढेर पड़ा है। टाटा स्टील कंपनी इसका इस्तेमाल खनन की थाह पाने के लिए करती है। ड्रोन वहां पहुंच सकते हैं, जहां इंसान आसानी से नहीं जा सकते। इससे सुदूर द्वीपों पर लगी पवन-चक्कियों, पाइपलाइनों, संयंत्रों और वर्षा वनों की निगरानी बहुत कम लागत पर सटीक ढंग से की जा सकती है।

एक नजर...

सराहनीय कार्य जनपद एटा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री सुनील कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के क्रम में दिनांक 11/01/2020 को कुल 13 व्यक्तियों का धारा 151 सी.आर.पी.सी. में चालान किया गया।

(1)- थाना नयागांव
1- जितेंद्र पुत्र ताले सिंह निवासी ओनरपुर थाना मेरापुर फर्रुखाबाद
(2)- थाना अलीगंज
1- भानू पुत्र तेजपाल निवासी गांव कैल्ठा थाना अलीगंज एटा
2- तेजपाल पुत्र जौहरी निवासी उपरोक्त
3- राजपाल पुत्र हरिराम निवासी आतर थाना कोतवाली फतेहगढ़ फर्रुखाबाद
(3)- थाना पिलुआ
1- भोले पुत्र राजवीर निवासी बरीगंवा थाना पिलुआ एटा
2- प्रदीप पुत्र किशनमुरारी निवासी उपरोक्त
3- रिंकू पुत्र रोशनलाल निवासी उपरोक्त
4- अरविंद पुत्र मानपाल निवासी उपरोक्त
5- पुष्पेंद्र पुत्र राजपाल निवासी उपरोक्त
6- राम पुत्र राजवीर निवासी उपरोक्त
7- जितेंद्र पुत्र आशाराम निवासी उपरोक्त
8- अमित पुत्र जयकिशोर निवासी ककरावली थाना पिलुआ एटा
9- सुनील पुत्र महेन्द्रपाल निवासी उपरोक्त।

युवक के साथ मारपीट, मामला दर्ज

भिण्ड,ब्यूरो। गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के बंजारे के पुरा के पास एक युवक के साथ जातिसूचक गाली-गलौंच, मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार रवि पुत्र मंशाराम जाटव निवासी कुम्हेरी थाना बागचीनी मुरैना गुरुवार की शाम अपने घर जा रहा था, कि तभी विवाद के चलते पहलवान बंजारा, रंजीत उर्फ पप्पू बंजारा निवासीगण बंजारे का पुरा गोहद चौराहा आए और युवक रवि जाटव को जाति सूचक गालियां देने लगे। जब फरियादी ने इसका विरोध किया तो उक्त लोगों ने फरियादी के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे डाली। घटना की जानकारी फरियादी ने पुलिस को दी। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर से उक्त आरोपियों के विरुद्ध धारा 323, 294, 506, 34, भादवि, 3(1)(डी)(डीएच) एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

दाव लगा रहे जुआरी पुलिस की गिरफ्त में

भिण्ड,ब्यूरो। देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रामनगर बंबा का पुरा पर काफी दिनों से देहात पुलिस को जुआ खेलने की सूचना मिल रही थी तभी आज मुखिबर की सूचना पर घटनास्थल से पाँच जुआरियों को पकड़ लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी श्याम बरेंठा, देवेन्द्र, अनिल कुमार, गोपाल सिंह, पूरन सिंह, निवासी कबीर नगर जुआ का फड़ लगाकर रामनगर बंबा का पुरा पर खेल रहे थे तभी मुखबिर की सूचना पर देहात पुलिस ने दबिश दी जहाँ पाँचों आरोपी को धर दबोचा, जिनके कब्जे से एक तांश की गड्डी व 3450 रूपये जब्त किये। पुलिस ने फिलहाल जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है।

अवैध लोहे की छुरी लेकर घूम रहा आरोपी गिरफ्तार

भिण्ड,ब्यूरो। मालनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सूर्या फैक्ट्री के पीछे किसी बारदात की नियत से अवैध रूप से एक लोहे की छुरी लेकर घूम रहे आरोपी को मुखबिर की सूचना पर धर दबोचा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी सोनू सिंह पुत्र रणवीर सिंह राणा उम्र 22 वर्ष निवासी ऐंचाया किसी बारदात की नियत से अपने पास एक लोहे की छुरी लेकर सूर्या फैक्ट्री के पीछे घूम रहा था तभी मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ धारा 25 (2) आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है।

दुकान का ताला तोड़कर सोने चाँदी के जेवरात पार

भिण्ड,ब्यूरो। गोरमी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कस्बा गोरमी में स्थित फरियादी की दुकान के विगत दरम्यानि रात्रि को अज्ञात चोर ने ताला तोड़कर उसमें रखे सोने चाँदी के जेवरात पार कर ले गये। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी आनन्द पुत्र रामलखन सोनू उम्र 34 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 11 ने लिखित शिकायती आवेदन दिया जिसमें बताया कि मैं रोजाना की तरह अपनी दुकान बंद करके घर चले गये। जब सुबह दुकान के ताले टूटने की खबर मिली तो आखिर देखा दुकान का ताला टूटा हुआ था उसमें रखे सोने चाँदी कीमत लगभग सत्तर हजार रूपये लेकर रफूचक्कर हो गये। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना प्रारम्भ कर दी है।

पुलिस अभिरक्षा से भागा आरोपी

दतिया ब्यूरो। जिले से पुलिस अभिरक्षा से एक बदमाश के भागने का मामला सामने आया है। यह मामला बड़ौनी थाने का है जहाँ पुलिस अभिरक्षा में बदमाश पुलिस आरक्षक को धक्का देकर थाने से भाग निकला है। मिली जानकारी के अनुसार बड़ौनी पुलिस की अभिरक्षा में कैद आरोपी अजमेर कड़ेरे थाना के आरक्षक को शौच जाने की बोला और आरक्षक को चालाकी से धक्का देकर भाग निकलने में कामयाब हो गया। आरोपी भागने के बाद पुलिस ने बदमाश को पकड़ने के लिए पूरे क्षेत्र में नाकेबन्दी कर दी है। बड़ौनी पुलिस ने दो अन्य आरोपियो के साथ आरोपी अजमेर कड़ेरे निवासी करयावटी को गाजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था। जिनके कब्जे बड़ी मात्रा में पुलिस ने गांजा भी वरामद किया था। आरोपियों के गिरफ्तार करने पर इसका खुलासा करने के लिए कंट्रोल रूम में प्रेस कांफ्रेंस की तैयारी चल रही थी। लेकिन आरोपी भागने पर अपरिहार कारणों का हवाला देते हुए पुलिस ने प्रेस कांफ्रेंस स्थगित कर दी है। जिसके बाद पता चला कि बड़ौनी थाने से गांजा तस्करी का आरोपी पुलिस की कैद से भाग निकला है।

दो सरपंचों के खिलाफजेल सुपुर्द करने का वारंट जारी

दतिया ब्यूरो। विहित प्राधिकारी धारा 92 एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दतिया ने ग्राम पंचायत राजापुर के ग्राम खेरी निवासी गरिन कमरिया द्वारा ग्राम खेरी में प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत भवन के निर्माण हेतु आहरण की गई 1 लाख 5 हजार रूपये की राशि से कार्य नहीं कराने और ना हीं राशि जमा कराने के कारण गरिन कमरिया के विरूद्ध मध्य प्रदेश पचांयत राज अधिनियम 1993 की धारा 92 की उपधारा (2) के अधीन जेल सुपुर्द का वारंट जारी करते हुए उनको सिविल कारागार में लेने के लिए जिला जेल दतिया के भारसाधक अधिकारी से कहा है।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस का देश को आजाद कराने में बड़ा योगदान रहा है: मंत्री इमरती देवी

सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा का किया अनावरण, डबरा में पं. नेहरू की प्रतिमा लगेगी

ग्वालियर। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने देश को आजाद कराने में विशेष योगदान रहा है। आज आवश्यकता है कि इन अमर वीर सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लेकर देश की सेवा में अपना योगदान दें। मंत्री श्रीमती इमरती देवी शनिवार को डबरा के सुभाषगंज में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष श्री मोहन सिंह राठौर ने की।कार्यक्रम में अनुविभागीय दण्डाधिकारी डबरा श्री आर के पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती इमरती देवी ने प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनका सौभाग्य है कि आज उन्हें महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आजाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करने का मौका मिला है। आज हम सभी सुभाषचंद्र बोस के जीवन से प्रेरणा लेकर देश सेवा में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि डबरा नगर प्रदेश का ऐसा नगर है जहां अग्रसेन महाराज, राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त, सुभाषचंद्र बोस, भारत के

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर और पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया की प्रतिमायें लगी हैं, जो हमें देश सेवा की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि नगर वासियों की मांग को देखते हुए कटारिया चौराहा, जवाहरगंज में देश के प्रथम प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के निर्माता स्व. जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा लगाने की कार्रवाई की जायेगी। इसके लिए उन्होंने अनुविभागीय दण्डाधिकारी डबरा को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्रीमती इमरती देवी ने कहा कि डबरा विधानसभा क्षेत्र के लोगों की सेवा के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगीं। क्षेत्र के विकास के लिए उनके ध्यान में जो बातें लाई जायेंगीं, उनको वे शासन स्तर पर पूर्ण कराने का प्रयास करेंगीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री मोहन सिंह राठौर ने कहा कि सुभाषचंद्र बोस ने पूरी दुनिया को अपनी ताकत का लोहा मनवाया। उन्होंने कहा कि देश को आजाद कराने में अमर शहीद सेनानियों के साथ-साथ नेताजी सुभाषचंद्र बोस का भी विशेष योगदान रहा है। सुभाषचंद्र बोस ने ही जय हिंद का नारा दिया। जिसे आज देश के जवान एवं नागरिक बड़े गौरव के साथ लेते हैं। श्री राठौर ने कहा कि सुभाषचंद्र बोस ने ही सबसे पहले महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता के नाम से संबोधित किया था जो आज पूरे विश्व में महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि सुभषचंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज के रूप में 60 हजार सैनिकों को भर्ती कर आजादी की लड़ाई लड़ अंग्रेजों को भारत छोड़ने के लिए मजबूर किया। कार्यक्रम के शुरू में स्वागत भाषण श्री भरत श्रीवास्तव ने दिया। कार्यक्रम में झाँसी से आए कवि मदन गोपाल बिरथरे, मोहम्मद नियाज खान, राकेशवीर कमल आदि कवियों को भी स्मृति चिन्ह प्रदाय कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री राजीव श्रीवास्तव एवं आभार श्री स्वतंत्र कुमार सक्सेना ने व्यक्त किया। इस मौके पर श्री देवेन्द्र श्रीवास्तव, श्री वीरेन्द्र गौड़, श्री अशोक नगरिया, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री राजीव गुप्ता सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

मुरैना एसपी डा. असित यादव का लगभग दस माह का कार्यकाल बेमिशाल

केशब पंडित जी अम्बाह

मुरैना। पुलिस अधीक्षक डा.असित यादब ने जिले में यू तो क्राइम को तो कंट्रोल किया ही है, परन्तु चम्बल मे अब्बल कहने बाला श्रैय जाता है व्यवसायी राजेश गुप्ता के नाती ग्रंथ (3)पुत्र देबेन्द्र गुप्ता की छह घन्टे मे सकुशल रिहाई को वो काम किया है जो सम्पूर्ण मध्य प्रदेश मे प्रसंसनीय है जिससे मुरैना जिले में अमन चैन व शांति स्थापित हुई है, 28 फरबरी 2019 में जब कमान संभाली थी उस समय मुरैना जिले की हालत कुछ क्रिकैट के मैच जैसी थी मानो मैच का आखिरी ओबर बचा हो ओर मैच जीतने के लिये प्रत्येक गेद पर 6 छक्कै लगाने हो परन्तु ह्यश्र असित यादव ने प्रत्येक गेद पर तो छक्का लगाया ही परन्तु नो बॉल पर भी छक्का लगा कर जिले मे शान्ति ब्यबस्था बनाई इधर राजनीतिक दबाब के चलते 1 महीने मे ही ह्यश्र रियाज इकबाल का हटना व लोक सभा का चुनाब महत्ब पूर्ण जिम्मैदारी सामने होते हुऐ भी कडी मेहनत कर मुरैना मे पहली बार शान्ति प्रिय चुनाब कराया रात्रि भ्रमण से लेकर, पुलिस जन संवाद, भूमि विवाद शिविर, आदि कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक ने जनता की भलाई के लिए आयोजित किए और इनका लाभ जनता को मिला। आईपीएस डा.असित यादब ने 10 महीने के कार्यकाल में सैकडा की संख्या मे इनामी बदमाशों को पकड़ा गया, अंधेकत्लों का खुलासा हुआ और आरोपियों को जेल पहुँचाया गया। अवैध हथियारों का कारोबार करने वालो के खिलाफ पुलिस अधीक्षक ने जमकर अभियान चलाया और हथियार तस्करों को जेल की चारदीवारी तक पहुँचाया। मुरैना में शराब व मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले कई लोगों को पकड़ा गया अवैध रेत उत्खनन व परिवहन के खिलाफ जबरदस्त एतिहासिक कड़ीकार्यवाही को अंजाम दिया आईपीएस डा. असित यादव ने जिले मे अभी पिछले दिनों ही पुलिस का बेटी पढ़ाओ अभियान भी पुलिसअधीक्षक द्वारा चलाया गया होनहार बालिकाओं को समय समय पर प्रोत्साहन राशि प्रदाय की गई,जिससे वे पढलिखकर समाज का नाम रोशन कर सके। इतना ही नही पुलिस अधीक्षक डा.असित यादव द्वारा अपने कार्यकाल में लोक सभा चुनाव 2019 शांति पूर्ण संपन्न कराया यह 20 साल का रिकार्ड है कोई भी अप्रिय घटना घटित नहीं होने दी जिससे जिले के चुनाव बिना हिंसा के होना मुरैना जिले का इतिहास बना लोकसभा चुनाव 2019 में पुलिस अधीक्षक मुरैना डा असित यादव को सफल चुनाव करवाने हेतु चम्बल मे अब्बल अवार्ड से सम्मानित किया गया ऐसे कर्तव्य निष्ठवान पुलिस अधीक्षक को हमारा दिल से सलाम।

महिला को घर से निकालने वाले पति सहित सास, ससुर पर मामला दर्ज

शिवपुरी ब्यूरो। बदरवास के ग्राम रेजागढ़ में ससुरालीजनों ने कम दहेज लाने पर बहू की मारपीट कर उसे घर से भगा दिया। जिसकी शिकायत पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर से उसके पति और सास, ससुर के खिलाफ भादवि की धारा 498ए, 323, 506 सहित 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2017 में गुना के ग्राम पुरैनी निवासी भूरिया बाई यादव का विवाह बदरवास के रेजागढ़ निवासी सीलकुमार यादव के साथ हुआ था। विवाह के समय पीड़िता के पिता ने अपनी हैसियतानुसार दान दहेज देकर बेटी को विदा किया। लेकिन विवाह के कुछ समय बाद ही आरोपी सीलकुमार यादव उसके पति कृपान सिंह यादव व मां सावित्री बाई ने उससे और दहेज लाने की मांग शुरू कर दी।

क्षेत्रीय विधायक के.पी सिंह कक्काजू ने किया आंगनबाड़ी लोकार्पण

भौंती। जन जन के लाडले विधयाक एवं पूर्व मंत्री के पी सिंह कक्काजू ने आज ग्राम पगरा में स्थित नवीन आंगनबाड़ी का किया लोकार्पण उसके बाद अपने कार्यक्रम दौरे के लिए ग्राम भौंती पर आए और जन चौपाल लगाकर दूर दूर के गांव से आकर लोगों ने अपनी अपनी समस्याए विधायक श्री के पी सिंह के पास रखी और लोगों की समस्याओं का तुरंत निराकरण भी किया गया इस मौके पर पूर्व जिला पंचयात सदस्य अशोक नगरिया ,मंगल सिंह परमार ,सेक्टरअध्यक्ष भौंती, सत्येंद्र तिवारी,कमल शर्मा, नाथूराम गुप्ता,के पी राजा, अतुल पहारिया, सुरेन्द्र बाथम, मीडिया प्रभारी इशरहील (सोनू) खान= जिला महा सचिव युवा काग्रेंस कमेटी शिवपुरी ,आदि लोग मौजूद रहे

सी एम हेल्पलाइन पर भारी पड़ रही है के पी सिंह कक्काजू की जनसुनवाई- सरकारी अफसरों के दफ्तरो की चौखट पर नाक रगड़ने बाले गरीव व असहाय लोगों के काम चुटकियों में हो जाते है हल आप को बता दे कि जब से विधयाक के पी सिंह राजनीति में आये है तब से वह जन चौपाल लगाकर जनसुनवाई करते आ रहे है और ऐसा ही नही इस जन चौपाल में कोई भी समस्या हो विधयाक के सामने रखते ही हल हो जाती है समस्या घर की हो या बाहर की फैसला ऑन द स्पॉट करते है फिर वह चाहे किसी भी पार्टी का हो उसकी वह समस्या चुटकी में हल करते है । यही कारण है कि वो पिछोर विधानसभा में ही नही बल्कि पूरे मध्यप्रदेश लोकप्रिय बने रहते है।

सिद्धार्थ शुक्ला से शादी करना चाहती हैं शहनाज गिल

नई दिल्ली। बिग बॉस 13 में इन दिनों अगर किसी के सबसे ज्यादा बातें की जा रही है तो वह सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल। बेशक इन दिनों के बीच हो रही नोकझोंक से घरवाले परेशान हो रहे हैं लेकिन इनकी जोड़ी को बाहर की दुनिया में खूब पसंद किया जा रहा है। एक तरफ जहां शहनाज हर मौके का फायदा उठाते हुए सिद्धार्थ शुक्ला से अपने प्यार का इजहार करने से बाज नहीं आ रही हैं तो वहीं सिद्धार्थ, शहनाज से हमेशा रूड व्यवहार करते रहते हैं। सिद्धार्थ, शहनाज को कभी बुरा भला कह देते हैं तो कभी उन्हें सबक सिखाने के लिए उनके साथ बुरा व्यवहार भी करते हैं। हालांकि शहनाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ता है। वह एक मिनट में रोती हुई दिखती तो वह दूसरे मिनट में फिर से सिद्धार्थ के आसपास मंडराती रहती हैं। इसी बीच बिग बॉस का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें शहनाज, सिद्धार्थ के साथ शादी करने की इच्छा जाहिर करते हुए नजर आ रही हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आज रात बिग बॉस के घर में धमाल मचने वाला है। क्योंकि आज बिग बॉस के घर में पहली बार लाइव कॉमेडी की क्लास लगने वाली है और इसमें सभी घरवाले अपनी- अपनी कॉमेडी स्किल का परियच देंगे। घर में जमकर मस्ती के साथ ही साथ घरवाले एक-दूसरे पर व्यंग्य करेंगे और खूब हंसाएंगे। कॉमेडी क्लास में शहनाज गिल भी नटखट अंदाज में कॉमेडी करती दिखेंगी। बिग बॉस का नया प्रोमो भी इसी से संबंधित है। वीडियो में शहनाज जैसे ही स्टेज पर आती हैं दर्शक उनका नाम लेकर और जोरदार तालियों से पंजाब की कैटरीना कैफ यानि शहनाज का स्वागत करते हैं। शहनाज आते ही सबसे पहले माहिरा खान पर व्यंग्य करती हैं, जिसे सुनकर सभी हंसने लगते हैं। इसके बाद शहनाज दर्शकों से अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहती हैं कि मैं चाहती कि मेरी शादी सिद्धार्थ शुक्ला से हो जाए। शहनाज की ये इच्छा सुनकर सिद्धार्थ शर्मा जाते हैं और हंसने लगते हैं , लेकिन दर्शक और घर वाले खूब मजा लेते हैं। शहनाज इतने में चुप नहीं होती हैं वह आगे कहती हैं अगर आपको मेरी और सिद्धार्थ शुक्ला की जोड़ी पसंद है तो सभी खड़े हो जाओ और बताओं की ये जोड़ी फिट है।

PUSHPANJALI TODAY

नई सोच नई पहल

पुष्पांजली टुडे

1. कलर विज्ञापन रेट:-

क्र	पेज	रेट
1	पहला पेज	20,000
2	लास्ट पेज	20,000
4	अन्दर का फुल पेज	15,000
5	हाप पेज	8,000
6	चौथाई पेज	4,000
7	अन्दर पेज पर पट्टी	3,000
8	विजीटिंग कार्ड साईज	2,000

2. Black & Withe विज्ञापन रेट :-

क्र	पेज	रेट
1	फुल पेज	10,000
2	हाप पेज	6,000
3	चौथाई पेज	3,000
4	अन्दर पेज पर पट्टी	1500
5	विजीटिंग कार्ड	1000

3. पेपर विज्ञापन रेट :-

क्र	पेज	रेट
1	5 X 9 = 45 स्क.से.मी.	675
2	9 X 9 = 81 स्क.से.मी.	1215
3	10 X 20 = 200 स्क.से.मी.	1,000
4	Hap Page	12,000
5	Full Page	20,000

निःशुल्क बच्चे के बर्थडे एवं शादी की सालगिरह
श्रद्धांजलि, शोक संदेश, उठावनी

ग्वालियर क्राईम ब्रांच ने नकली हाईकोर्ट जजबनकर शस्त्र लायसेंस स्वीकृती के लिये

संभागायुक्त को फोन करने वाले ठग को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर नवनीत भसीन, भापुसे को संभागीय आयुक्त ग्वालियर एम.बी. ओझा द्वारा दिये गये पत्र जिसमें उनके द्वारा दिनांक 07.01.2020 को आगंतुक मनीष शर्मा पुत्र रामस्वरूप शर्मा द्वारा स्वंय को जस्टिस विवेक शर्माउच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा भेजा जाना बताया जाकर शस्त्र लायसेंस पास करने के संबंध मे मिलने और मोबाइल नंबर 9425108965 धारक द्वारा स्वंय को जस्टिस विवेक शर्मा बताते हुऐ आवेदक मनीष शर्मा के शस्त्र लायसेंस के प्रकरण को पास करने की सिफारिष करने के संबंध मे लेख किया गया था। उनके द्वारा बताया गया कि जब उनके द्वारा जबलपुर उच्च न्यायालय मे तस्दीक कराई गई तो ज्ञात हुआ कि जस्टिस विवेक शर्मा नामक कोई जज वहां पदस्थ नही है। उक्त ठग पर कार्यवाही करने हेतु पत्र दिया था। संभागीय आयुक्त द्वारा दिये गये पत्र को पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा गंभीरता से लेते हुए उक्त पत्र मे दिये गये तथ्योंकी जांच क्राईम ब्रांच से कराई जाकर ठग को गिरफ्तार करने के निर्देष अति0 पुलिस

अधीक्षक अपराध पंकज पाण्डेय एवं उप पुलिस अधीक्षक अपराध रत्नेश सिंह तोमर को दिये।

पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के निर्देशों के परिपालन मेंक्राईम ब्रांच ग्वालियर द्वारा प्रकरण मे प्राप्त मोबाइल नंबर के आधार पर धारक का नाम पता ज्ञात कर मुखबिर की मदद से आज दिनांक 11.01.2020 को थाना प्रभारी निरी दामोदर गुप्ता एवं सायबर नोडल निरी श्री पंकज त्यागी द्वारा मय क्राईम टीम के मेहनत कर आरोपी अजय शंकर त्यागी को नाका चन्द्रबदनी थाना झांसीरोड़ क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ करने पर उनसे अपना नाम मनीष शर्मा उर्फ अजय शंकर त्यागीपुत्र रामस्वरूप शर्मा निवासी 290, महादजी नगर, चिरवाई नाका थाना कम्पू जिला ग्वालियर बताया। उक्त ठग के विरूद्ध थाना क्राईम ब्रांच मे अप. क्रमांक 11/2020 धारा 419,170 भादवि एवं 66डी आईटी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर विवेचनामे लिया जाकर ठगी मे शामिल अन्य लोगों के संबंध मे पूछताछ की जारही है। सराहनीय भूमिकाः उक्त ठग को गिरफ्तार करने मे थाना प्रभारी निरी दामोदर गुप्ता, सायबर नोडल निरी पंकज त्यागी, उनि शैलेन्द्र सिंह गुर्जर, धर्मेन्द्र शर्मा, हरेन्द्र सिंह राजपूत, प्रआर. दिनेष तोमर, आर. गौरव आर्य,विकास तोमर, चन्द्रवीर गुर्जर, रामबीर, योगेन्द्र तोमर, षिवषंकर, नरवीर, विवेक पाठक, अभिषेक तिवारी, धीरेन्द्र राजावतकी सराहनीय भूमिका रही।

आईटीएम ग्लोबल स्कूल में साइंस एग्जीबिशन आयोजित

ग्वालियर । किसी ने कार्टन बॉक्स और शीशे के इस्तेमाल से लेजर बॉक्स बनाकर लाइट एम्प्लीफिकेशन से लेजर दर्शाई तो किसी स्टूडेंट ने नेचुरल मटेरियल्स के इस्तेमाल से वॉलकेनों इरप्शन और थ्रीडी सोलर सिस्टम को भी काफी आकर्षक तरीके से दिखाया। कुछ ऐसे ही साइंस के कई वर्किंग और नॉन वर्किंग मॉडल्स एक ही छत के नीचे नजर आए आईटीएम ग्लोबल स्कूल की साइंस एग्जीबिशन में। जिसमें स्टूडेंट्स ने विभिन्न टॉपिक्स पर वर्किंग मॉडल्स तैयार कर प्रदर्शित किए।

प्राइमरी सेक्शन के अंतर्गत वर्किंग मॉडल में स्टूडेंट्स ने हाइड्रोलिक लिफ्ट, हाइड्रोलिक क्रेन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, इलेक्ट्रिक कैल्कुलेटर, गुड कंडक्टर्स आफ इलेक्ट्रिसिटी, सोलर कार, डे एंड नाइट मॉड्यूलेशन, स्टेथेस्कॉप, वाटर व्हील, बबल डिस्पेंसर, मोटर बोट आदि प्रदर्शित किए। सभी ने अपने अनुसार बेहतरीन क्रिएटिविटी का इस्तेमाल किया। वहीं नॉन वर्किंग मॉडल्स में स्टूडेंट ने टाइप्स ऑफ

हाउसेस, सोर्स आफ लाइट, सेंस आर्गन्स, स्केलेटन, बलून बोट को भी स्टूडेंट ने बेहतर रूप् से प्रदर्शित किया। एग्जीबिशन को देखने आए पैरेंट्स व अन्य विजिटर्स को स्टूडेंट्स ने बेहतर तरीके से मॉडल की सारी वर्किंग प्रोसेस भी समझाई। स्कूल के सेकेंड्री सेक्शन के स्टूडेंट्स को एनवायरनमेंट कंजर्वेशन और मॉडर्न टेक्नोलॉजी थीम पर मॉडल डिजाइन करने थे। उन्होंने एनर्जी प्रोडक्शन फ्रॉम विंड एनर्जी, सोलर हेलीकॉप्टर, हाइड्रॉलिक लिफ्ट, वाटर लेवल इंडीकेटर, सोलर रूम हीटर, वीआर बॉक्स, लेजर बॉक्स, अर्थक्वेक डिटेक्टर्स, आटोमेटिक लाइटनिंग सिस्टम , रेन वाटर हार्वेस्टिंग , स्मोक आब्जर्वर, इको वॉल्स आदि 22 मॉडल तैयार किए। जिसमें 22 मॉडल विंकिंग थे और 2 नॉन वर्किंग।

स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवार्ड से

ग्वालियर स्मार्ट सिटी को किया गया सम्मानित

ग्वालियर। नई दिल्ली में आयोजित स्कोच अवॉर्ड्ज़ में ग्वालियर स्मार्ट सिटी की पब्लिक बाइक शेयरिंग को ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया है। ज्ञात हो कि स्मार्ट सिटी द्वारा इस परियोजना का शुभारम्भ सितम्बर माह में किया गया था। यह परियोजना ग्वालियर शहर में अत्यंत लोकप्रिय है तथा सभी वर्ग के लोग इस से लाभान्वित हो रहे हैं।

आँकड़ों की बात करें तो अब तक 60 हज़ार से ज़्यादा लोग ऐप डाउनलोड कर चुके हैं तथा लगभग 80 हज़ार राइड पूर्ण कर चुके हैं। 1 लाख 63 हज़ार से अधिक किलोमीटर की सवारी कर 40 हज़ार किलो से ज़्यादा कार्बन एमिशन बचाने में सफल हुए हैं। यह परियोजना शहरवासियों को यातायात का किफ़ायती, सुगम तथा प्रदूषण रहित विकल्प प्रदान करने में सफल रही है। पब्लिक बाइक शेयरिंग प्रोजेक्ट को अर्बन मोबिलिटी श्रेणी में यह अवार्ड दिया गया है। देशभर में कई शहरों के बीच इस श्रेणी में प्रतिस्पर्धा के बाद आँकलन किया गया तथा ग्वालियर स्मार्ट सिटी की इस परियोजना को मानकों पर श्रेष्ठ पाया गया। स्मार्ट सिटी की ओर से यह अवार्ड कार्यपालन यंत्री श्री अंकित शर्मा द्वारा प्राप्त किया गया । उन्होंने यह अवार्ड इंडीयन इंस्टिट्यूट ओफ़ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन से प्रोफ़ेसर वीएन आलोक तथा नबार्ड कंसल्टिंग के पूर्व सीईओ श्री मदन मोहन द्वारा दिया गया। ग्वालियर स्मार्ट सिटी सीईओ श्री महीप तेजस्वी ने इस उपलक्ष पर कहा कि स्मार्ट सिटी द्वारा ग्वालियर में विश्वस्तरीय कार्य किए जा रहे हैं तथा सम्मान को ग्वालियर के विकास का प्रतिबिम्ब बताया। साथ ही उन्होंने कहा की ये अवॉर्ड टीम को और ऊर्जा के साथ काम करने के लिए प्रेरित करते हैं। ग़ौरतलब है कि इस परियोजना के तहत 50 डॉक स्टेशन के माध्यम से 500 साइकिल उपलब्ध कराई गई हैं जिनका उपयोग शहर के सभी वर्गों द्वारा किया जा रहा है।

रात को कार सवारों ने की फायरिंग, पुलिस ने पकड़ा

ग्वालियर। आधी रात को शहर की सड़कों पर कार से फायरिंग कर भाग रहे कार सवारों को पड़ाव पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़े गये युवकों से पुलिस ने राइफल और कार जब्त कर ली। पुलिस ने युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पड़ाव थाना पुलिस ने बताया कि बीती रात करीब डेढ़ बजे सूचना मिली कि एक आल्टो कार क्रमांक एमपी 07 सीडी 0398 में सवार कुछ युवक फायरिंग करते हुये पड़ाव पुल की तरफ भागे है। सूचना मिलते ही पड़ाव थाना पुलिस ने घेराबंदी कर कार में सवार युवकों को पकड़ लिया। कार की तलाशी लेने पर एक 315 बोर रायफल और उपयोग किये गये कारतूस मिले, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया।

विश्वस्त पत्रकार संघ का सम्मेलन व सम्मान समारोह आज

ग्वालियर। विश्वस्त पत्रकार संघ का प्रथम प्रांतीय पत्रकार सम्मेलन व सम्मान समारोह कल 12 जनवरी को मानस भवन में दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। संघ के प्रदेशाध्यक्ष पीडी सोनी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पशुपालन मंत्री लाखन सिंह यादव होंगे। विशिष्ट आतिथि के रूप में अपेक्स बैंक के चेयरमेन अशोक सिंह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्वस्त पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.सुरेश सम्राट करेंगे। सारस्वत अतिथि वरिष्ठ पत्रकार डॉ.राम विद्रोही होंगे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लाल बहादुर शास्त्री को दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री की 55 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ता शिंदे की छावनी स्थित पार्टी कार्यालय से पड़ाव स्थित प्रतिमा स्थल पहुंचे और यहां लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भाव भीनी पुष्पांजलि दी। सभा में मप्र कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुनील शर्मा, पूर्व अध्यक्ष चन्द्रमोहन नागोरी, अशोक प्रेमी, श्याम सिंह चैहान, जेएच जाफरी, प्रवक्ता आनंद शर्मा, गुरूमुख करोसिया, सरमन राय, मेहबूब खां

चेनवाले, छाउलाल यादव, विद्यादेवी कौरव, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद कुमार जैन, मुनेन्द्र भदोरिया, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश पहलवान, दिनेश जैन, संजीव दीक्षित, तरूण यादव, अनुप तिवारी, रूची ठाकुर, मीनू परिहार, मीना देवी गोस्वामी, सुमन वर्मा, रचना कुशवाह, मनोरमा, गिरिजा शर्मा, मीना सिंह, वंदना भूपेन्द्र प्रेमी, गीता सिकरवार, महादेवी परमार, निधि शर्मा, रमेश सिंह राजपूत, श्रीराम सविता, रूपेश यादव, दिनेश एशवार, अतुल श्रीवास्तव, कुलदीप मगरैया, ज्योतिदित्य राज, शहजाद भाई, संकेत शर्मा आदि शामिल थे।

थाटीपुर में सिविल अस्पताल एवं डॉक्टर्स क्वार्टर्स के लिये शीघ्र भूमि आवंटित होगीः कलेक्टर

ग्वालियर। विधायक मुन्नालाल गोयल के साथ डी.एम अनुराग चौधरी ने शनिवार को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक 16 ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों का अवलोकन किया। इसी तारतम्य में विधायक एवं कलेक्टर के साथ प्रशासन के सभी विभागों के अधिकारी थाटीपुर स्थित सिविल डिस्पेंसरी पहुंचे, जहां पर डॉक्टर्स के लिये बनने वाले 30 क्वाटर्स एवं 30 बिस्तरों के अस्पताल के लिये शासकीय भूमि का अवलोकन किया । मौके पर ही कलेक्टर श्री चौधरी ने एस.डी.एम को उपरोक्त शासकीय भूमि पर सिविल अस्पताल एवं डॉक्टरों के आवास हेतु रिक्त पड़ी शासकीय भूमि आवंटित करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। थाटीपुर पुर्नघनत्वीकरण योजना स्थल के अवलोकन के दौरान विधायक ने कहा कि ग्वालियर का व्यापारिक लोड महाराज बाड़ा, सराफाबाजार, नया बाजार, लोहिया बाजार, दालबाजार तक सिमट कर रह गया है इस व्यापारिक लोड का विकेन्द्रीकरण किया जाना आवश्यक है । थाटीपुर स्थित 30 हेक्टेयर भूमि बड़े व्यापारिक हब के लिये सबसे उपयुक्त स्थान है । थाटीपुर चौराहे से चौहान प्याउ तक 700 मीटर का फन्ट है । यहां पर दिल्ली के पालिका बाजार की तर्ज पर एक बड़ा व्यापारिक हब विकसित किया जा सकता है। जिससे मुरार, थाटीपुर, सिटीसेंटर क्षेत्र के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा तथा हजारों नये उद्यमियों को भी व्यापार करने का अवसर भी प्राप्त होगा ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478